भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *204

20 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

सेल की परियोजनाओं में विलम्ब

***204. श्री संजय सिंह:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. (सेल) की चल रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि इनमें से कुछ परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकी हैं;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और उक्त विलंब के कारण परियोजनाओं की लागत में कितनी वृद्धि हुई है; और

(घ) इस्पात परियोजनाओं के आधुनिकीकरण और विस्तार में हो रहे विलम्ब के कारण प्रतिवर्ष कितनी हानि हो रही है, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)**

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

<u>सेल की परियोजनाओं में विलंब के संबंध में श्री संजय सिंह, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 20 मार्च, 2023 को पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *204 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण</u>

(क) : सेल संयंत्रों में परिवर्धन, संशोधन, प्रतिस्थापन की निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं (एएमआर) (150 करोड़ रुपए एवं अधिक की लागत वाली) पर क्रियान्वयन किया जा रहा हैं:

i. राउरकेला इस्पात संयंत्र में लगभग 158 करोड़ रूपये के विनिवेश के साथ शून्य तरल बहिस्राव (जेडएलडी) के क्रियान्वयन के लिए शोधन प्रणाली-1 की संस्थापना।
ii. भिलाई इस्पात संयंत्र में 168 करोड़ रूपये की लागत से दल्ली खान के सीएसडब्लयू संयंत्र के धुलाई सर्किट में संशोधन।
iii. बोकारो इस्पात संयंत्र में 240 करोड़ रूपये के निवेश के साथ हॉट स्ट्रिप मिल की स्वचालन प्रणाली का उन्नयन।
iv. राउरकेला इस्पात संयंत्र में लगभग 434 करोड़ रूपये के निवेश के साथ कोक रख-रखाव तथा गैस रख-रखाव इकाई के संवर्धन के साथ कोक ओवन बैटरी-।। (सीओबी-2) का पुनर्निर्माण।
v. भिलाई इस्पात संयंत्र में 625 करोड़ रूपये की लागत के साथ सीओबी-7 एवं 8 का पुनर्निर्माण।
vi. राउरकेला इस्पात संयंत्र में लगभग 1105 करोड़ रूपये की लागत के निवेश के साथ एसएमएस-।। में लैडल फर्नेस के साथ चौथे कास्टर की संस्थापना।
vii. बोकारो इस्पात संयंत्र में 1111 करोड़ रूपये के निवेश के साथ नए सिंटर संयंत्र की संस्थापना।

(ख) और (ग): उपर्युक्त परियोजनाओं में से, क्रम संख्या ii, iv, v, और vii पर उल्लिखित परियोजनाओं में मुख्य रूप से ठेकेदारों/उप ठेकेदारों के घटिया प्रदर्शन, ठेकेदारों द्वारा संसाधनों को ठीक से ना जुटाये जाने, सामग्रियों/उपकरणों आदि के लिए आदेश को प्रस्तुत करने तथा इनकी आपूर्ति में विलंब के कारण देरी हुई है। तथापि, कोई लागत आधिक्य नहीं हुआ है।

(घ): केवल ऊपर भाग (क) के क्रम संख्या vi पर उल्लिखित परियोजना की परिकल्पना राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) की मौजूदा क्रूड इस्पात की उत्पादन क्षमता को 0.4 एमपीटीए तक बढ़ाने के लिए की गई है। वर्तमान में, इस परियोजना में कोई विलंब नहीं हुआ है और कोई लागत अधिक्य नहीं हुआ है।

*****